भारत में जी20 शिखर सम्मेलन का भारत के कृषि क्षेत्र में प्रभाव

संध्या गुप्ता[1]

जी20 शिखर सम्मेलन प्रतिवर्ष एक क्रमिक अध्यक्षता में अयोजित किया जाता है। शुरूआत में यह व्यापक आर्थिक मुद्दों पर केंद्रित था परंतु बाद में इसके मुद्दों में विस्तार करते हुऐ इसमे अन्य बातों के साथ व्यापार, जलवायु परिवर्तन, सतत विकास, स्वास्थ्य, कृषि, ऊर्जा, पर्यावरण और भ्रष्टाचार-विरोध शामिल किया गया। द ग्रुप ऑफ ट्वेंटी (जी20) एक अंतर - सरकारी मंच हैं जिसमें 20 देश शामिल हैं –अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राज़ील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनशिया, इटली, जापान, कोरियागणराज, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ। कृषि कार्य समूह (AWG) की स्थापना वर्ष 2011 में कान्स शिखर सम्मेलन, फ्रांस के दौरान जी20 की छठी बैठक में की गई थी । कान्स शिखर सम्मेलन में जी20 नेताओं ने विकास और नौकरियों के लिए कान्स एक्शन प्लान को अपनाया। नेताओं ने कृषि बाजार सूचना प्रणाली (एएमआईएस) भी लॉन्च की और खाद्य मूल्य अस्थिरता और कृषि पर एक कार्य योजना का समर्थन किया। एक जी20 रोजगार कार्य बल की स्थापना की गई।

भारत में जी20 शिखर सम्मेलन

भारत दिसम्बर 2022 से 30 नवंबर 2023 तक जी20 की अध्यक्षता कर रहा है। सितंबर 2023 में होने वाले अंतिम नई दिल्ली शिखर सम्मेलन में प्रतिनिधिमंडलों नई दिल्ली शिखर सम्मेलन में प्रतिनिधिमंडलों के 43 प्रमुख जो कि जी20 में अब तक की सबसे ज्यादा संख्या थी। भारत के लिए जी20 की अध्यक्षता "अमृतकाल" यानि 15 अगस्त, 2022 को देश की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ से शुरू होने वाली 25 साल की अवधि की शुरुआत का भी प्रतीक है, जो कि देश की स्वतंत्रता की शताब्दी की ओर जाती है जहां एक भविष्य के लिए तैयार समृद्ध, समावेशी और विकसित समाज होगा जिसकी विशेषता उसके मूल में मानव- केंद्रित दृष्टिकोण का होना है।

भारत के जी20 का प्रतीक चिन्ह (लोगो) भारत के राष्ट्रीय ध्वज के जीवंत रंगो –केसरिया, सफ़ेद और नीला से प्रेरणा लेता है। यह पृथ्वी ग्रह को कमल के साथ जोड़ता है । भारत का राष्ट्रीय फूल 'कमल' जो चुनौतियों के बीच विकास को दर्शाता है। पृथ्वी, जीवन के लिए भारत के ग्रह-समर्थक दृष्टिकोण को दर्शाती है जो प्रकृति के साथ पूर्ण सामंजस्य में है । जी20 लोगो के नीचे देवनागरी लिपि मैं "भारत" लिखा हुआ है ।

भारत के जी20 अध्यक्षता का विषय -"वसुधैव कुटुम्बकम" या "एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य", महा उपनिषद के प्राचीन संस्कृत पाठ से लिया गया है । प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के अनुसार "भारत की जी20 अध्यक्षता एकता की सार्वभौमिक भावना को बढ़ावा देने के लिए काम करेगी। इसलिए हमारा विषय - 'एक पृथ्वी, एक

[1] भाकृअनुप. - राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो

परिवार, एक भविष्य' है। "अनिवार्य रूप से यह विषय सभी जीवन के मूल्यों की पुष्टि करता है - मानव, पौधे, सूक्ष्मजीव, ग्रह पृथ्वी और व्यापक ब्रह्मांड में उनकी परस्पर संबद्धता । यह विषय व्यक्तिगत जीवन शैली के साथ-साथ राष्ट्रीय विकास दोनों के स्तर पर पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ और जिम्मेदार विकल्पों को भी सामने रखता है, जिससे विश्व स्तर पर बदलाव लाने वाले कार्य संपन्न होते हैं, जिसके परिणामस्वरूप एक स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल भविष्य प्राप्त होता है।

जी20 की बैठकें केवल नई दिल्ली या अन्य महानगरों तक ही सीमित नहीं रही हैं। "वसुधैव कुटुम्बकम"- "एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य" की अपनी जी20 अध्यक्षता के विषय से प्रेरणा लेते हुए, साथ ही साथ 'समग्र सरकार' दृष्टिकोण की प्रधानमंत्री की सोच के साथ, भारत 32 अलग-अलग कार्यक्षेत्रों में 50 से अधिक शहरों में 200 से अधिक बैठकों की मेजबानी कर रहा है और मेहमानों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की एक झलक पाने और उन्हें भारत का एक अद्वितीय अनुभव हासिल करने का अवसर प्रदान कर रहा है । यह अध्यक्षता जी20 सचिवालय के लिए देश के नागरिकों को भारत की जी20 कथा का हिस्सा बनने के लिए एक अनूठा अवसर प्रदान करने का एक मौका भी है।

जी20 के कृषि प्रमुख वैज्ञानिकों की बैठक का प्रभाव

प्रथम सत्र में डिजिटल कृषि पर आधारित फसल एवं खाद्य क्षति को कम करने के लिए डिजिटल तकनीकी द्वारा समाधान, एग्री-टेक, स्टार्टअप इकोसिस्टम, बहुआयामी कृषि विस्तार और सलाहकार सेवाएं, प्रयोगशाला से भूमि और आउटरीच में सुधार के लिए भागीदारी, छोटे किसान और पारिवारिक खेती, जी20 कृषि अनुसंधान एवं विकास के लिए वैश्विक दक्षिण सहयोग, सार्वजनिक वस्तुओं के लिए सार्वजनिक-निजी कृषि अनुसंधान एवं विकास, नवाचार सृजन के क्षेत्र जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार विमर्श किया गया ।

जी20 देशों के प्रमुख कृषि वैज्ञानिकों की बैठक 17-19 अप्रैल 2023 को वाराणसी में हुई । बैठक में टिकाऊ लाभप्रद कृषि-खाद्य प्रणालियों के विकास के लिए विज्ञान-आधारित समाधानों की दिशा में साझा कदमों पर ज़ोर रहा, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग के सचिव और परिषद् के महानिदेशक डॉ. हिमांशु पाठक ने अपने संदेश में कहा कि यह बैठक टिकाऊ, जलवायु-अनुकूल और लाभदायक कृषि-खाद्य प्रणालियों को प्राप्त करने के लिए विज्ञान-आधारित समाधान देने के लिए संयुत कार्यवाही को बढ़ावा देने में सहायक रही है ।

तीन दिवसीय जी20 के कृषि प्रमुख वैज्ञानिकों – मैक्स (एमएसीएस) की दूसरे दिन की बैठक "सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड फूड सिस्टम फॉर हेल्दी पीपल एंड प्लेनेट" विषय पर वाराणसी में 17 अप्रैल 2023 को सम्पन्न हुई । श्री अन्न और अन्य प्राचीन अनाजों के उत्पादन एवं पोषणीय लाभ के प्रति शोध एवं जागरूकता हेतु भारत द्वारा अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान पहल "महर्षि" पर चर्चा करने के लिए एक सत्र आयोजित किया । जी20 राष्ट्रों, आमंत्रित देशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनो के प्रतिनिधियों ने "महर्षि" पहल का समर्थन किया तथा व्यक्त किया कि श्री अन्न जलवायु अनुकूल पोषणीय फ़सलें हैं । अतः इन मोटे अनाजों पर अनुसंधान वैश्विक स्तर पर किया जाए । भारत

समेत दुनिया के 20 विकासशील देशों में वैश्विक कृषि के विकास का नया रोडमैप वाराणसी में तैयार किया गया । कृषि शिक्षा, अनुसंधान आदि मुद्दों पर सभी देशों के कृषि प्रमुख वैज्ञानिकों ने मंथन किया। भारत सरकार ने वाराणसी से पोषण, खाद्य सुरक्षा, जलवायु अनुकूल खेती को बढ़ाने का प्रस्ताव दुनिया के सामने रखा ।

डॉ. हिमांशु पाठक, सचिव एवं महानिदेशक तथा श्री फिलिप माउगिन, अध्यक्ष एवं सीईओ, आईएनआरआई –राष्ट्रीय कृषि, खाद्य एवं पर्यावरण अनुसंधान संस्थान (फ्रांस) ने भारत और फ्रांस की द्विपक्षीय बैठक में अपने सबंधित प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। दोनों देशों ने जलवायु परिवर्तन, फसल विविधीकरण, मृदा तथा जल संरक्षण, प्राकृतिक खेती और बायोफोर्टिफाइड फसलों से संबंधित विषयों पर सहयोग करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। बैठक के दौरान कृषि अनुसंधान एवं विकास में डिजिटल कृषि और सतत कृषि मूल्य श्रंखला तथा सार्वजनिक –निजी भागीदारी पर विस्तार –विमर्श किया गया। मैक्स कम्यूनिकेशन पर भी चर्चा की गयी। इस सत्र की अध्यक्षता डॉ. हिमांशु पाठक ने की। एक आधिकारिक बयान मे डॉ.पाठक ने कहा कि यह बैठक, खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए चर्चा, विचार-विमर्श और ज्ञान-विज्ञान और प्रौद्योगिकयों के आदान –प्रदान और जी20 देशों के बीच सहयोग को मजबूत करने के लिए एक अच्छा मंच प्रदान करेगी। भारतीय कृषि अनूठी, विविध और विशाल है। 75 वर्षों के दौरान देश आयातक की स्थिति से आत्मनिर्भर और खाद्य निर्यातक देश होने की दिशा में अग्रसर रहा है। उत्पादन में 6 से 70 गुना वृद्धि हुई है, जबकि खेती वाले शुद्ध क्षेत्र मे केवल 1.3 गुना वृद्धि हुई है। भारत दुनिया में कृषि का प्रमुख केंद्र रहा है इसलिए यहाँ से निकले विचार पूरी दुनिया को नई दिशा दे सकते हैं। डॉ. हिमांशु पाठक के अनुसार, भविष्य मे इन चार बिन्दुओं पर फोकस रहेगा

1. **डिजिटल कृषि :** हमें नई तकनीकों के माध्यम से खेती को बेहतर बनाना है। इसमें नवाचार का स्वागत करना है और उन्हें प्रोत्साहित भी करना है। किसानों को देश में डिजिटल कृषि से जोड़ेंगे। उनके क्षेत्र में होने वाले मौसमों के बदलावों को तुरंत उन तक पहुचाएंगे। खरीदी-ब्रिकी, फायदे-नुकसान से जुड़ी हर बात उन्हें तुरंत फोन पर मिलेगी।
2. **रिसर्च / अनुसंधान :** देश में अलग-अलग क्षेत्र और मौसम हैं। हर जगह के हिसाब से अलग पैदावार होती है। सरकार रिसर्च के माध्यम से इसे बढ़ाने पर काम कर रही है यह रिसर्च क्षेत्रवार की जा रही है इस पर भी काम किया जा रहा है कि मौसम में बदलाव, हीट वेव, बारिश से होने वाले नुकसान को कैसे कम किया जा सकता है।
3. **किसान को अधिकतम लाभ :** पूरा प्रयास किया जा रहा है कि किसान को अधिकतम लाभ मिले । सरकार ऐसे सिस्टम बना रही है जिनका असर कुछ समय में दिखने लगेगा ।
4. **फूड सिक्योरिटी :** भारत के हर नागरिक को पर्याप्त और पौष्टिक भोजन मिले। आने वाले साल में सरकार की यही प्राथमिकता है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने जी20 कृषि मंत्रियों की बैठक को संबोधित किया, कहा प्राथमिकता के अलग-

अलग क्षेत्रों पर हो रहा है मंथन। उन्होंने पुन: जी20 की कृषि बैठक को संबोधित करते हुए दुनिया भर में वैश्विक खाद्य सुरक्षा की समस्या को हल करने की अपील की। प्रधानमंत्री मोदी ने हैदराबाद में जी20 के कृषि मंत्रियों की बैठक में कहा कि "मैं आपसे वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए समूहिक कारवाई करने के तरीके पर विचार –विमर्श करने का आग्रह करता हूँ।" हैदराबाद में जी20 के कृषि कार्य समूह के तहत मंत्रियों की 3 दिवसीय बैठक 15 जून 2023 को शुरू हुई थी। इस बैठक में सदस्य देशों, आमंत्रित देशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के 200 से अधिक प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि इस बैठक में प्राथमिकता वाले कृषि क्षेत्रों पर विचार-विमर्श किया गया । इन क्षेत्रों ने इस वर्ष के कृषि कार्य समूह का आधार तैयार किया। बैठक के शुरू होने पर श्री तोमर ने कहा कि खाद्य सुरक्षा एवं पोषकता के प्रति श्री प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की पूरी प्रतिबद्धता है। उन्होंने बताया कि भारत कृषि क्षेत्र में काफी समृद्ध –सशक्त है, व अपने ज्ञान व अनुभव को कृषि क्षेत्र के वैश्विक हित में साझा करता है । उन्होंने कहा कि बीते नौ वर्षों में देश में कृषि क्षेत्र में कई नए आयाम स्थापित हुए हैं, जिनके उद्देश्य किसान का कल्याण है। साथ ही फसल विविधिकरण को लेकर भी किसानों के बीच जागरूकता लाई जा रही है। जी20 जैसे समूहों की बैठकें कृषि संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए साझा रणनीति बनाने में सहायक साबित हो सकती है।

निष्कर्ष : जी20 शिखर सम्मेलन प्रतिवर्ष एक क्रमिक अध्यक्षता में अयोजित किया जाता है। इसमें 20 देश शामिल हैं। भारत में शिखर सम्मलेन के लिए जी20 लोगो भारत के राष्ट्रीय ध्वज के जीवंत रंगो –केसरिया,सफ़ेद और नीला से प्ररेणा लेता है। लोगो के नीचे देवनागरी लिपि में "भारत" लिखा हुआ है। कृषि से सम्बंधित व्यक्तियों की ज़िम्मेदारी अर्थव्यवस्था के क्षेत्र को संभालने के साथ-साथ मानवता के भविष्य को सुरक्षित करने तक फैली हुई है। बैठक में माना गया कि श्री अन्न (मिलेटस) को अपनी पसंद के भोजन के रूप में अपनाया जाए। दुनिया के विभिन्न हिस्सों की पारंपरिक प्रथाएँ हमें पुनर्योजित कृषि के विकल्प विकसित करने के लिए प्रेरित कर सकती हैं। "कृषि में भारत की जी 20 प्राथमिकतायें हमारी "एक पृथ्वी" को ठीक करने, हमारे "एक परिवार" के भीतर सदभाव पैदा करने और उज्जवल "एक भविष्य" की आशा देने पर केंद्रित हैं।"